29-07-2022

ब्रेन एन्यूरिज्म

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में एक्टर इमिलिया क्लार्क जिन्होंने 'गेम ऑफ थ्रोन्स' में कार्य किया है, ने बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि जब वह 2011 और 2013 में शूटिंग कर रही थीं तब उन्हें दो बार ब्रेन एन्यूरिज्म का अटैक आया लेकिन वह इससे सुरक्षित रह सकीं।

त्वरित मुद्दा?

- ब्रेन एन्यूरिज्म जिसे मस्तिष्क धमनी स्फीति भी कहते हैं, एक खतरनाक बीमारी है। एन्यूरिज्म शरीर के किसी भी हिस्से में धमनियों और नसों की सूजन से होती है जो बाहरी परत के कमजोर होने के कारण होता है। यह आमतौर पर महाधमनी, घुटनों के पीछे, मस्तिष्क या आंतों में होता है। यदि धमनी विस्फार या एन्यूरिज्म टूट जाता है, तो यह आंतरिक रक्तस्राव और स्ट्रोक का कारण भी बन सकता है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

रिस्क को कम करना

- ज्यादातर जन्मजात मामले होने के कारण, धमनीविस्फार को रोकना हमेशा संभव नहीं होता है लेकिन जीवनशैली में कुछ बदलाव जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। इनमें धूम्रपान छोड़ना, संतुलित आहार का पालन करके स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखना, स्वस्थ शरीर के वजन को बनाए रखना और उच्च कोलेस्ट्रॉल आहार से परहेज करना शामिल है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- अभी तक ज्ञात अध्ययन के अनुसार एन्युरिज्म के कुछ सामान्य लक्षण बताये गए हैं जैसे – ब्लड प्रेशर बढ़ना, दिल की धड़कन का तेज होना, व्यक्ति के शरीर से अचानक खून निकलना, चक्कर आना, नसों में तेज दर्द महसूस होना या फिर दृष्टि में परिवर्तन होना।
- वैसे तो इसका कोई विशेष कारण नहीं जाना जा सका है परन्तु इस बीमारी के रिसर्चर्स ने कुछ सामान्य कारण जरूर बताये हैं जैसे - मस्तिष्क की चोट, धूम्रपान, खून का थक्का जमने से रक्त प्रवाह में परेशानी होना, अधिक मोटापा, 35 से 55 वर्ष की आयु वालों को ज्यादा खतरा होता है, धमनियों के ऊतकों के ख़राब होने से धमनी के बहरी परत का कमजोर होना इत्यादि। यह प्रेग्नेंसी के दौरान अधिक रक्त स्राव होने से ही हो सकता है।
- साधारणतः धमनीविस्फार या एन्यूरिज्म का पता नहीं चलता है जिससे निगरानी या उपचार की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए स्क्रीनिंग होता है। महिलाओं में धमनीविस्फार विकसित होने का कम जोखिम होता है वही पुरुषों को निश्चित रूप से 55 वर्ष और उससे अधिक आयु में अल्ट्रासाउंड स्क्रीनिंग से गुजरना चाहिए विशेषकर जो अधिक नियमित धूम्रपान करने वाले हैं।
- एमआरआई स्कैन एन्यूरिज्म की पहचान करने के लिए उपयोगी होते हैं, इससे प्रचलित लक्षण का जल्द पता लगाया जाता है। यदि धमनीविस्फार टूट जाता है और मस्तिष्क में रक्तस्राव का खतरा होता है तो सीटी स्कैन को प्राथमिकता दी जाती है। बेहतर इलाज हेतु सटीक क्षेत्र की पहचान की जाती है और ज्यादा रक्त स्राव होने से एंजियोग्राम किया जाता है।
- प्रारंभिक चरणों के लिए फ्लो डायवर्जन स्टेंट नामक एक उपकरण एन्यूरिज्म के उपचार के लिए एक नया अभिनव पहल है।

- धमनीविस्फार से रक्त के प्रवाह को मोड़ने के लिए माता-पिता की रक्त वाहिका की थैली के अंदर एक बेलनाकार धातु की जाली वाला स्टेंट रखा जाता है। डायवर्जन का उद्देश्य टूटने को रोकना है।
- फ्लो डायवर्जन का उपयोग large or giant wide-necked वाले मस्तिष्क धमनीविस्फार के इलाज के लिए किया जा सकता है।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न - किस देश के डॉक्टरों ने मस्तिष्क धमनीविस्फार के उपचार के लिए सर्जरी करने के लिए एक रोबोट का उपयोग किया था?

(a) स्वीडन
(b) यू.एस.
(c) कनाडा
(d) जर्मनी

उत्तर-(c) कनाडा

KAUTILYA ACADEMY INDORE

निर्यात हेतु व्यापार अवसंरचना योजना (TIES)

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्यात हेतु व्यापार अवसंरचना योजना (TIES) पहल के तहत निर्यात को बढ़ावा देने के लिये राज्यों को 206 करोड़ रुपए जारी किये हैं।

त्वरित मुद्दा?

- TIES के तहत वित्त वर्ष 2019-20 से 2022-23 के दौरान 27 निर्यात बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिये वित्तीय सहायता को मंज़ूरी दी गई है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने वर्ष 2017 में निर्यात योजना (TIES) के लिये व्यापार बुनियादी ढाँचा शुरू किया।
- वर्ष 2015 में निर्यात और विकास के लिये बुनियादी ढाँचा तैयार करने तथा सहायता (ASIDE) योजना से राज्यों के अलग होने के बाद राज्य सरकारें लगातार निर्यात बुनियादी ढाँचे के निर्माण हेतु केंद्र से समर्थन का अनुरोध कर रही थीं।
- निर्यात की वृद्धि के लिये उपयुक्त बुनियादी ढाँचे के निर्माण में केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियों की सहायता करना।
- इस योजना का लाभ राज्यों द्वारा अपनी कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से महत्त्वपूर्ण निर्यात लिंकेज जैसे- सीमा बाज़ार, भूमि, सीमा शुल्क केंद्र, गुणवत्ता परीक्षण और प्रमाणन प्रयोगशाला, कोल्ड चेन, व्यापार संवर्द्धन केंद्र, निर्यात वेयरहाउसिंग तथा पैकेजिंग, SEZ एवं बंदरगाहों/हवाई अड्डे, कार्गो टर्मिनल के साथ बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिये लिया जा सकता है।
- बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिये केंद्र सरकार की सहायता अनुदान सहायता के रूप में होगी, आमतौर पर कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा लगाई जा रही इक्विटी या परियोजना में यह कुल इक्विटी के 50% से अधिक नहीं होगी।
- उत्तर-पूर्वी राज्यों, हिमालयी राज्यों में स्थित परियोजनाओं के मामले में (जम्मू-कश्मीर, लद्दाख संघ शासित प्रदेशों सहित) यह अनुदान कुल इक्विटी का 80% तक हो सकता है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

- उन परियोजनाओं की नकारात्मक सूची जिन पर इस योजना के तहत विचार नहीं किया जाएगा
- ऐसी परियोजनाएँ जो टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, IT जैसी क्षेत्र विशिष्ट योजनाओं के अंतर्गत आती हैं।
- सामान्य बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ जैसे राजमार्ग, बिजली आदि।
- सामान्य बुनियादी ढाँचागत परियोजनाएँ जैसे राजमार्ग, बिजली आदि।
- ऐसी परियोजनाएँ जहाँ अत्यधिक निर्यात लिंकेज स्थापित नहीं किया जा सकता है।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न- व्यापार परिसंघों का संबंध निम्नलिखित में से किससे है?

(A) GNDU
(B) BHU
(C) INTUC
(D) LDC

उत्तर: (C) INTUC